नईदुनिया

भोपाल, 23 नवम्बर 2026

आपूर्ति में कमी के बावजूद निवेशकों की बिकवाली से बाजार दबाव में

चांदी की तेजी का बुलबुला फूटा, ऊंचे भाव पर खरीदने वालों को 64 प्रतिशत तक नुकसान

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सोने और चांदी की कीमतों में तेजी के बाद अब वैश्विक बाजार में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। खासतौर पर चांदी की कीमतों में आई गिरावट ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी जनवरी 2026 के अपने सर्वोच्च स्तर से करीब 64 प्रतिशत तक टूट चुकी है। वहीं, घरेलू वायदा बाजार में एक किलोग्राम चांदी की कीमत अपने सर्वोच्च स्तर से 2.71 लाख रुपये से अधिक नीचे आ गई है।

इस वर्ष की शुरुआत में सोना और चांदी दोनों कीमती धातुओं में जबरदस्त तेजी देखी गई थी। 29 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत 121.785 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। लेकिन 19 नवंबर तक यह घटकर 44.025 डॉलर प्रति औंस रह गई। इस तरह दस महीने से भी कम समय में चांदी की कीमत में लगभग 63.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, सोना भी जनवरी के अपने उच्चतम



स्तर से करीब 31.5 प्रतिशत सस्ता हो चुका है।

ऊंचे भाव पर खरीदारी करने वालों को बड़ा नुकसान

चांदी की कीमतों में गिरावट का सबसे अधिक असर उन निवेशकों पर पड़ा है, जिन्होंने जनवरी में ऊंचे भाव पर खरीदारी की थी। इसका अंदाजा इस गणना से लगाया जा सकता है कि यदि किसी निवेशक ने जनवरी में 121.785 डॉलर प्रति औंस की दर से 10 हजार डॉलर की चांदी खरीदी होती, तो उसे लगभग 82.11 औंस चांदी मिलती। मौजूदा 44.025 डॉलर प्रति औंस के भाव पर इसकी कीमत घटकर करीब 3,615 डॉलर रह जाती। इस प्रकार निवेशक को लगभग 6,385 डॉलर यानी करीब 64 प्रतिशत का नुकसान होता। चांदी की कीमतों में गिरावट इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर इसकी आपूर्ति में कमी का अनुमान है। सिल्वर इंस्टीट्यूट के अनुसार, वर्ष 2026 में दुनिया में चांदी की आपूर्ति मांग से 4.63 करोड़ औंस कम रह सकती है। वर्ष 2025 में यह कमी 4.03 करोड़ औंस रहने का अनुमान था। इसके बावजूद निवेशकों की बड़े पैमाने पर बिकवाली, बाजार में अनिश्चितता और सट्टेबाजी से जुड़े सौदों के समाप्त होने के कारण कीमतों पर दबाव बना हुआ है। बाजार विश्लेषण के अनुसार, चांदी की मासिक ऐतिहासिक कीमतों में उतार-चढ़ाव की दर 51.42 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि सोने में यह 25.25 प्रतिशत रही। विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी में निवेश करने वालों को अपनी जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए।

मारुति सुजुकी की चुनिंदा कारें हुईं महंगी

कीमतों में 0.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी चुनिंदा कारों की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। कंपनी ने औसतन 0.31 प्रतिशत की वृद्धि की है। नई कीमतें 22 नवंबर 2026 से लागू हो गई हैं। कंपनी ने यह फैसला लगातार बढ़ती उत्पादन लागत के दबाव को देखते हुए लिया है। कंपनी के अनुसार, कच्चे माल, वाहन कलपुर्जों, परिवहन और उत्पादन से जुड़े अन्य खर्चों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका असर वाहनों की निर्माण लागत पर पड़ रहा है। कंपनी ने बताया कि वह लागत कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन बढ़ते खर्च का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना आवश्यक हो गया है।

हालांकि, कंपनी ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि किस मॉडल और उसके किस संस्करण की कीमत में कितनी बढ़ोतरी की गई है। कीमतों में बदलाव सभी कारों पर लागू नहीं होगा, बल्कि चुनिंदा मॉडलों को ही इसके दायरे में रखा गया है। ऐसे में नई कार खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों को खरीदारी से पहले अधिकृत विक्रेताओं से संशोधित कीमतों की जानकारी लेने की सलाह दी गई है।

शेयर बाजार में भी रही तेजी

मारुति सुजुकी इंडिया के शेयरों में भी तेजी दर्ज की गई। शुक्रवार, 21 नवंबर को कंपनी का शेयर 391 रुपये यानी 2.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 13,990 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी के शेयर का पिछले 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 17,371 रुपये और न्यूनतम स्तर 10,984 रुपये रहा है।

26 नवंबर को निवेशकों के साथ बैठक

कंपनी ने 26 नवंबर 2026 को निवेशकों के साथ बैठक आयोजित करने का कार्यक्रम भी तय किया है। यह बैठक कारों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा से अलग है। वाहन उद्योग में कच्चे माल और परिवहन खर्च में होने वाले बदलाव का सीधा असर उत्पादन लागत पर पड़ता है। ऐसे में कंपनियां लागत के दबाव को देखते हुए समय-समय पर वाहनों की कीमतों में संशोधन करती हैं।

खास-खबरें

विद्युत दोपहिया वाहनों की ओर बढ़ रहा ग्राहकों का रुझान

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय बाजार में विद्युत स्कूटरों की बढ़ती मांग का लाभ वाहन निर्माता कंपनियों को मिल रहा है। एथर एनर्जी के किफायती स्कूटर की बिक्री में भी जोरदार वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी के कोनार्क मॉडल की बिक्री अक्टूबर 2026 में पिछले महीने की तुलना में 83 प्रतिशत बढ़ गई। विद्युत दोपहिया वाहनों की ओर ग्राहकों का रुझान बढ़ने के पीछे कम परिचालन खर्च और पेट्रोल पर होने वाले खर्च से बचत जैसे कारण प्रमुख हैं। ऐसे में किफायती कीमत वाले स्कूटर ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। एथर का कोनार्क मॉडल भी इसी श्रेणी में शामिल है। इसकी बढ़ती मांग से कंपनी को बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिल रही है। कंपनी के लिए यह वृद्धि ऐसे समय में आई है, जब भारतीय बाजार में विद्युत दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। किफायती विकल्पों की उपलब्धता और विद्युत वाहनों के प्रति बढ़ती जागरूकता से आने वाले समय में इस बाजार में मांग और बढ़ने की संभावना है।

वीवी के 55 इंच स्मार्ट टीवी की कीमत आधी, 64,999 रुपये वाला मॉडल अब 31,999 में

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: घर के लिए बड़ी स्क्रीन वाला स्मार्ट टेलीविजन खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए ई-कॉमर्स मंच अमेजन पर वीवी कंपनी के 55 इंच के क्यूएलईडी टेलीविजन पर छूट दी जा रही है। वीवी 140 स्मार्ट चॉइस प्रो सीरीज की सूचीबद्ध कीमत 64,999 रुपये है, जबकि छूट के बाद इसे 31,999 रुपये में खरीदा जा सकता है। इस तरह कीमत में 33,000 रुपये की कमी दिखाई गई है। इस टेलीविजन में 140 सेंटीमीटर यानी 55 इंच की क्यूएलईडी स्क्रीन दी गई है। इसमें 4के अल्ट्रा एचडी रिजॉल्यूशन मिलता है, जिससे तस्वीरों की स्पष्टता बेहतर होती है। टेलीविजन में गूगल टीवी संचालन प्रणाली दी गई है। इसके साथ 60 हर्ट्ज की रिफ्रेश दर और आठ कोर वाला प्रोसेसर मिलता है। ध्वनि के लिए इसमें दो स्पीकर दिए गए हैं, जिनका कुल आउटपुट 50 वॉट है। साथ ही डॉल्बी ऑडियो तकनीक का समर्थन भी मिलता है। टेलीविजन में तीन एचडीएमआई और दो यूएसबी पोर्ट दिए गए हैं। इसके अलावा वाई-फाई और ब्लूटूथ 5.1 की सुविधा भी उपलब्ध है। इनके माध्यम से अन्य उपकरणों को टेलीविजन से जोड़ा जा सकता है। इस पर फिल्में, धारावाहिक और अन्य डिजिटल सामग्री देखी जा सकती है। हालांकि, खरीदारी से पहले ग्राहकों को अमेजन पर उपलब्धता और अंतिम कीमत की पुष्टि कर लेनी चाहिए, क्योंकि छूट और बिक्री की शर्तों में बदलाव संभव है।

बिना स्टीयरिंग और पैडल के दौड़ेगी टेस्ला की नई कार, एलन मस्क ने दिए संकेत

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वाहन निर्माता कंपनी टेस्ला ऐसी कार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें न स्टीयरिंग होगा और न ही गति बढ़ाने तथा रोकने के लिए पैडल। यह गाड़ी पूरी तरह स्वचालित तकनीक से चलेगी और इसमें चालक की जरूरत नहीं होगी। कंपनी के प्रमुख एलन मस्क ने न्यूयॉर्क टाइम्स के वार्षिक डीलबुक सम्मेलन में एक साक्षात्कार के दौरान इस संभावित गाड़ी के बारे में जानकारी दी। मस्क के संकेतों के अनुसार, कंपनी मॉडल वाई और इसके बड़े संस्करण मॉडल वाई एल का ऐसा रूप तैयार कर सकती है, जिसमें स्टीयरिंग और पैडल नहीं होंगे। इसे कंपनी की रोबोट टैक्सी सेवा से जोड़ा जा सकता है। भविष्य में इसे निजी उपयोग के लिए भी उपलब्ध कराने की संभावना है। हालांकि, मस्क ने इसकी शुरुआत, कीमत और उत्पादन से जुड़ी कोई निश्चित जानकारी नहीं दी है। टेस्ला की मौजूदा मॉडल वाई में चालक सहित पांच लोग बैठ सकते हैं, जबकि मॉडल वाई एल में छह लोगों के बैठने की व्यवस्था है। मस्क ने साक्षात्कार में छह से सात यात्रियों की क्षमता वाली गाड़ी तैयार करने की बात कही। इससे माना जा रहा है कि कंपनी बड़े परिवारों को ध्यान में रखकर नया संस्करण विकसित कर सकती है। टेस्ला ने अक्टूबर 2024 में दो सीटों वाली साइबरकैब भी पेश की थी। इसमें स्टीयरिंग और पैडल नहीं हैं।

बीवाईडी पर यूरोप में प्रतिबंध और जुर्माने का खतरा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: चीन की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी बीवाईडी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कंपनी की टीआई-7 गाड़ी के बाहरी डिजाइन को लेकर यूरोप में विवाद खड़ा हो गया है। ब्रिटेन की वाहन निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर ने आरोप लगाया है कि बीवाईडी की इस गाड़ी का डिजाइन उसकी लोकप्रिय एसयूवी डिफेंडर से मिलता-जुलता है। इस मामले में यूरोप में प्रतिबंध और करीब 101 करोड़ रुपये के आर्थिक दंड की आशंका जताई जा रही है। विवाद का मुख्य कारण दोनों गाड़ियों के बाहरी स्वरूप में दिखाई देने वाली समानताएं हैं। जगुआर लैंड रोवर का दावा है कि बीवाईडी ने उसकी प्रतिष्ठित डिफेंडर गाड़ी की डिजाइन पहचान की नकल की है। कंपनी का कहना है कि इस तरह की समानता से उसके बौद्धिक संपदा अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। लैंड रोवर डिफेंडर अपनी मजबूत बनावट और विशिष्ट बाहरी डिजाइन के लिए दुनिया भर में पहचानी जाती है। इसका चौकोर स्वरूप, ऊंची बनावट और सामने का हिस्सा इसे दूसरी गाड़ियों से अलग पहचान देता है। बीवाईडी की टीआई-7 में भी इसी तरह की बनावट दिखाई देती है। इसी वजह से दोनों कंपनियों के बीच विवाद बढ़ा है। जगुआर लैंड रोवर अपने वाहन की डिजाइन को कंपनी की महत्वपूर्ण व्यावसायिक पहचान मानती है।

ओला-उबर और रैपिडो की बाइक टैक्सी को बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की कर्नाटक सरकार की अपील

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: ओला, उबर और रैपिडो जैसी कंपनियों की बाइक टैक्सी सेवाओं को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार की उस अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें राज्य में बाइक टैक्सी संचालन की अनुमति देने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई थी। इस निर्णय के बाद राज्य में बाइक टैक्सी सेवाएं जारी रखने का रास्ता साफ हो गया है।

20 नवंबर को न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह फैसला सुनाया। न्यायालय ने कहा कि बाइक टैक्सी सेवाओं पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के बजाय उनके संचालन के लिए नियम और आवश्यक शर्तें तय करना बेहतर होगा।

क्या था पूरा मामला

इस विवाद की शुरुआत अप्रैल 2025 में हुई थी। उस समय कर्नाटक उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने राज्य सरकार की नीति और आवश्यक नियम बनने तक बाइक टैक्सी सेवाओं पर रोक लगाने का आदेश दिया था। इसके बाद ओला, उबर, रैपिडो, दोपहिया वाहन मालिकों और बाइक टैक्सी कल्याण संघ ने इस फैसले को चुनौती दी।

23 जनवरी 2026 को उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश को पलट दिया। न्यायालय ने कहा कि मोटरसाइकिलों का परिवहन वाहन के रूप में पंजीकरण कराया जा सकता है और आवश्यक अनुमति मिलने पर उन्हें टैक्सी के रूप में चलाया जा सकता है। इसके बाद राज्य सरकार ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।

यात्रियों की सुरक्षा पर भी हुई चर्चा

सुनवाई के दौरान कर्नाटक सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा, बीमा और आवश्यक नियमों की कमी का मुद्दा उठाया। सरकार का कहना था कि बाइक टैक्सी संचालन के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और नियामक प्रावधान जरूरी हैं। ऑटो और टैक्सी चालकों के पांच संगठनों ने भी उच्च न्यायालय के फैसले का विरोध किया था। न्यायमूर्ति शर्मा ने सुनवाई के दौरान कहा कि बाइक टैक्सी पर प्रतिबंध लगाने के बजाय उसका नियमन किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने कार्यालय में काम करने वाली महिलाओं का उदाहरण देते हुए बताया कि वे कम किराये के कारण बाइक टैक्सी से यात्रा करती हैं। उनके अनुसार, ऑटो का किराया बाइक टैक्सी से लगभग पांच गुना तक अधिक हो सकता है। इस फैसले का अर्थ यह नहीं है कि कोई भी व्यक्ति बिना पंजीकरण और आवश्यक अनुमति के बाइक टैक्सी चला सकेगा। वाहन मालिकों और कंपनियों को निर्धारित नियमों तथा परमिट संबंधी शर्तों का पालन करना होगा।

वीडियो गेम खेलते हुए शशि थरूर ने नोटबंदी को बताया बड़ी चोरी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने वर्ष 2016 में हुई नोटबंदी को लेकर केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की है। उन्होंने चर्चित वीडियो गेम 'ग्रैंड थेफ्ट ऑटो-6' के नाम पर बातचीत के दौरान नोटबंदी को 'बिना ऑटो वाली ग्रैंड थेफ्ट' बताया। उनकी इस टिप्पणी के बाद वहां मौजूद लोग हंसने लगे।

दरअसल, इन दिनों रॉकस्टार गेम्स का नया वीडियो गेम ग्रैंड थेफ्ट ऑटो-6 चर्चा में है। इसी को लेकर बातचीत के दौरान थरूर ने कहा कि इस नाम का अंग्रेजी में कोई खास अर्थ नहीं निकलता। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पहले कभी वीडियो गेम नहीं खेला है। इस दौरान थरूर ने खेल के नाम में शामिल ऑटो शब्द को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ग्रैंड थेफ्ट तो समझ में आता है, लेकिन इसमें ऑटो का क्या अर्थ है। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2016 की नोटबंदी का जिक्र करते हुए कहा कि वह तो बिना ऑटो वाली ग्रैंड थेफ्ट थी। उनकी इस टिप्पणी को नोटबंदी के फैसले पर कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है।

ग्रैंड थेफ्ट ऑटो-6 को 19 नवंबर को जारी किया गया। इस श्रृंखला का पिछला संस्करण ग्रैंड थेफ्ट ऑटो-5 वर्ष 2013 में आया था। नए संस्करण की कहानी काल्पनिक स्थान लियोनिडा में आधारित है। इसमें जेसन और लूसिया नाम के दो प्रमुख पात्र हैं। यह खेल प्ले स्टेशन-5 और एक्सबॉक्स श्रृंखला के उपकरणों पर उपलब्ध है।

खेल की मूल कंपनी टेक-टू इंटरएक्टिव के अनुसार, ग्रैंड थेफ्ट ऑटो-6 ने पहले दिन की बिक्री से 3.79 अरब डॉलर की कमाई की। कंपनी ने इसे मनोरंजन जगत का अब तक का सबसे बड़ा शुभारंभ बताया है। जारी होने से पहले इसकी 3.25 करोड़ प्रतियां बिक चुकी थीं। हालांकि, कंपनी ने कुल बिक्री का आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया। इसकी पहले दिन की कमाई ने कई बड़ी हॉलीवुड फिल्मों के कुल कारोबार को भी पीछे छोड़ दिया।

गैस सिलेंडर बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी, एक गलती से खाली हो सकता है बैंक खाता

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: रसोई गैस सिलेंडर की बुकिंग और सब्सिडी के नाम पर साइबर ठगी के मामले सामने आ रहे हैं। साइबर अपराधी उपभोक्ताओं को निशाना बनाने के लिए गैस बुकिंग, सब्सिडी और ई-केवाईसी अद्यतन कराने का झांसा दे रहे हैं। उनकी एक छोटी सी चूक से लोगों के बैंक खातों में जमा रकम खतरे में पड़ सकती है।

ठग उपभोक्ताओं के मोबाइल पर ऐसे संदेश भेजते हैं, जिनमें गैस सब्सिडी रुकने, बुकिंग निरस्त होने या ई-केवाईसी अधूरी होने की जानकारी दी जाती है। इन संदेशों में समस्या का समाधान करने के लिए एक इंटरनेट कड़ी भी भेजी जाती है। उपभोक्ताओं को उस कड़ी पर जाकर अपनी जानकारी अद्यतन करने के लिए कहा जाता है। जैसे ही कोई व्यक्ति ऐसी कड़ी खोलकर अपनी व्यक्तिगत या बैंक संबंधी जानकारी साझा करता है, ठग उसका दुरुपयोग कर सकते हैं। कई बार उपभोक्ताओं को फोन करके भी गैस कंपनी का कर्मचारी बताकर जाल में फंसाया जाता है। उनसे पहचान संबंधी जानकारी, बैंक खाते का विवरण और अन्य गोपनीय जानकारियां मांगी जाती हैं।

ई-केवाईसी के नाम पर भी ठगी

साइबर अपराधी ई-केवाईसी पूरी कराने के नाम पर भी लोगों को निशाना बना रहे



हैं। वे जल्द प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर गैस आपूर्ति या सब्सिडी बंद होने की चेतावनी देते हैं। इससे घबराकर उपभोक्ता बिना जांच किए उनके निर्देशों का पालन कर लेते हैं।

अनजान कड़ियों से रहें सावधान

गैस उपभोक्ताओं को अनजान संदेशों में भेजी गई इंटरनेट कड़ियों को खोलने से बचना चाहिए। किसी भी व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी, गोपनीय संकेत संख्या और एक बार उपयोग होने वाला सत्यापन संकेत साझा नहीं करना चाहिए। गैस बुकिंग और सब्सिडी से संबंधित जानकारी के लिए केवल अधिकृत माध्यमों का उपयोग करना चाहिए। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई अनुप्रयोग डाउनलोड करना या बैंक संबंधी जानकारी देना भी नुकसानदायक हो सकता है। साइबर ठगी की आशंका होने पर तुरंत बैंक और संबंधित अधिकारियों को सूचना देना जरूरी है।

घर बैठे कमाई के कई रास्ते, बिना रोज कार्यालय जाए भी बढ़ा सकते हैं आमदनी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: रोजाना कार्यालय जाने, लंबे समय तक काम करने और कार्यस्थल की आपाधापी से परेशान लोगों के लिए घर बैठे कमाई के कई विकल्प मौजूद हैं। अपनी रुचि, जानकारी और हुनर के आधार पर अतिरिक्त आमदनी का जरिया तैयार किया जा सकता है। इसके लिए जरूरी नहीं कि कोई बड़ा कारोबार शुरू किया जाए या कर्मचारियों की टीम बनाई जाए। हालांकि, निष्क्रिय आय का अर्थ बिना मेहनत किए पैसा कमाना नहीं है। शुरुआत में समय, कौशल और पूंजी लगाने की जरूरत पड़ सकती है। सही योजना और लगातार निगरानी से इसे अतिरिक्त कमाई का माध्यम बनाया जा सकता है।

भारत-ईयू के बीच 16 दिसंबर को व्यापार समझौते पर लग सकती है मुहर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 16 दिसंबर को ब्रुसेल्स में हस्ताक्षर होने की संभावना है। दोनों पक्षों ने इस साल 27 जनवरी को इस समझौते के लिए बातचीत पूरी कर ली थी। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को दी गई जानकारी में बताया कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर 16 दिसंबर को ब्रुसेल्स में हस्ताक्षर होने की संभावना है। ये हस्ताक्षर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिसंबर में प्रस्तावित ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान हो सकते हैं।

महिंद्रा एक्सयूवी 7 एक्सओ को टक्कर देने हुंडई लाएगी नई सात सीटों वाली एसयूवी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वाहन निर्माता कंपनी हुंडई भारतीय बाजार में अपनी नई सात सीटों वाली एसयूवी उतारने की तैयारी कर रही है। कंपनी की इस आगामी गाड़ी का मुकाबला महिंद्रा की एक्सयूवी 7एक्सओ से होने की संभावना है। नई गाड़ी को भारतीय ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य बड़े परिवारों के लिए अधिक सीटों और आधुनिक सुविधाओं वाला विकल्प उपलब्ध कराना है।

मिली जानकारी के अनुसार, हुंडई की नई एसयूवी को परीक्षण के दौरान देखा गया है। इससे संकेत मिले हैं कि कंपनी इस वाहन पर तेजी से काम कर रही है। नई गाड़ी में संकर तकनीक दिए जाने की संभावना है। इस तकनीक में वाहन पेट्रोल इंजन और विद्युत ऊर्जा दोनों की सहायता से चलता है।

इससे ईंधन की खपत कम करने में मदद मिल सकती है। नई एसयूवी में तीन पंक्तियों में सात यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी। इससे बड़े परिवारों के लिए यह उपयोगी विकल्प बन सकती है। कंपनी इसमें आधुनिक सुविधाओं के साथ आकर्षक बाहरी बनावट देने की तैयारी कर रही है। हालांकि, इसके इंजन, सुविधाओं और कीमत को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

महिंद्रा की गाड़ी से होगा मुकाबला

भारतीय बाजार में सात सीटों वाली एसयूवी की मांग को देखते हुए वाहन निर्माता कंपनियां इस श्रेणी में नए विकल्प पेश कर रही हैं। महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सओ इस श्रेणी की प्रमुख गाड़ियों में शामिल है। हुंडई की नई एसयूवी के आने से इस बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की उम्मीद है। हुंडई की यह नई गाड़ी कंपनी की भारतीय बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। परीक्षण के बाद इसके बाजार में आने और कीमत संबंधी जानकारी सामने आने की प्रतीक्षा है।

स्पेशल खबर अक्टूबर 2025 के सर्वोच्च स्तर से आधे से ज्यादा टूटी कीमत...

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में बड़ी गिरावट, बिटकॉइन 60 हजार डॉलर के नीचे फिसला

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में भारी गिरावट दर्ज की गई है। 21 नवंबर को इसकी कीमत दो साल से अधिक के निचले स्तर पर पहुंच गई। बिटकॉइन 8.56 प्रतिशत टूटकर 56,195.22 डॉलर पर आ गया। सितंबर 2024 के बाद यह इसका सबसे निचला स्तर है। अक्टूबर 2025 में 1,26,000 डॉलर का सर्वोच्च स्तर छूने के बाद अब इसकी कीमत आधे से भी कम रह गई है।

बिटकॉइन में गिरावट का असर पूरे क्रिप्टोकरेंसी बाजार पर पड़ा है। कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक क्रिप्टो बाजार का कुल मूल्य 7.58 प्रतिशत घटकर 1.95 लाख करोड़ डॉलर रह गया। पिछले 24 घंटे में कारोबार का कुल मूल्य 136.33 अरब डॉलर रहा। निवेशकों में बढ़ती घबराहट का अंदाजा



इस बात से लगाया जा सकता है कि भय और लालच सूचकांक गिरकर छह पर पहुंच गया, जो अत्यधिक डर की स्थिति दर्शाता है।

एथेरियम और बीएनबी में भी भारी गिरावट

दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम की कीमत 9.21 प्रतिशत गिरकर 1,562.14 डॉलर रह गई। इसका कुल बाजार मूल्य घटकर 190.95 अरब डॉलर हो गया। बीएनबी में भी 9.22 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 514.98 डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, टीथर और यूएसडीसी जैसी स्थिर मूल्य वाली क्रिप्टोकरेंसी में मामूली बदलाव देखने को मिला।

गिरावट के पीछे कई कारण

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, बाजार में गिरावट के पीछे कई वैश्विक और तकनीकी कारण हैं। अक्टूबर में क्रिप्टो विनिमय मंच बाइनेंस में हुई सेंधमारी से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हुआ। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर की मजबूती और वहां ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका ने भी निवेशकों को जोखिम भरे निवेश से दूरी बनाने के लिए प्रेरित किया। इस वर्ष अब तक बिटकॉइन से जुड़े निवेश कोषों से तीन अरब डॉलर से अधिक की निकासी हुई है। वहीं, कॉइनग्लास के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को 24 घंटे के भीतर करीब दो अरब डॉलर के निवेश सौदे स्वत: समाप्त हो गए।

निवेशकों में भरोसे की कमी

विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार में फिलहाल भरोसे की कमी दिखाई दे रही है और निवेशक अपना जोखिम घटा रहे हैं। वजीरएक्स के संस्थापक निश्चल शेट्टी के मुताबिक, बिटकॉइन अक्टूबर 2025 के सर्वोच्च स्तर से 50 प्रतिशत से अधिक नीचे आ चुका है।